संस्कृत–हिन्दी षब्दों को तोलोंग सिकि में लिप्यन्तरण हेतु जानकारियाँ

ध्यातब्य हो कि आदिवासी भाषाओं में से कुँड़ुख़ भाषा की अपनी विषिष्ट षैली एवं विषेषताएँ हैं। इस विषिष्ट पहचान पर आधारित इस भाषा की लिपि, तोलोंग सिकि विकसित हुई है। यह तथ्य है कि कुँड़ुख़ भाषा में कई ध्वनियाँ है जिसे दिखलाने के लिए रोमन एवं देवनागरी लिपि में लिपि चिन्ह नहीं हैं। रोमन लिपि के माध्यम से अन्य भाषाओं को लिखने के लिए 2nd Oriental Congress, JENEVA, 1900 AD में किये गये मानकीकरण के आधार इस क्षेत्र की भाषाओं पर कई साहित्य रचे गये। परन्तु, देवनागरी लिपि में आदिवासी भाषाओं को लिखने के लिए हिन्दी प्रचारिणी सभा या देवनागरी प्रचारिणी सभा आदि द्वारा किसी तरह का मानकीकरण किया गया हो, ऐसा इतिहास नहीं मिलता है। जिससे, जो जैसा समझ पाये, वे वैसा ही लिख–पढ़ रहे हैं।

कुँड़ुख़ भाषा की लिपि, तोलोंग सिकि के प्रतिष्ठापन में भी कई व्यवहारिक कठिनाईयाँ आयीं। इस क्रम में उपयोक्ताओं को समझने तथा समझाने में आयी उलझनों को सुलझाने में नये तरीके का भी ईजाद हुआ और हमलोग यहाँ तक का सफर तय कर पाए। कुँड़ुख़ भाषा में निम्नांकित विषिष्ट ध्वनियाँ हैं जिसके लिए संस्कृत देवनागरी में लिपि चिन्ह नहीं हैं :–

1. कुँड़ुख़ में, ह्रस्व ए एवं ह्रस्व ओ होता है जिसके लिए संस्कृत देवनागरी में लिपि चिन्ह नहीं हैं। संस्कृत में, ए तथा ओ, दीर्घ तथा प्लूत रूप के लिए चिन्ह निर्धारित हैं।

2. संस्कृत में, ऐ एवं औ वर्ण हैं, जिसे क्रमवार अइ तथा अउ की तरह उच्चरित किया जाता है, तथा हिन्दी में, ऐ एवं औ को क्रमवार अय तथा अव की तरह उच्चरित किया जाता है। जबकि कुँड़ुख़ में अइ, अउ, अय, अव – चारों ध्वनियों का व्यवहार होता है।

3. संस्कृत–हिन्दी देवनागरी में अ, इ, उ मूल स्वर बतलाया गया है तथा आ, ई, ऊ दीर्घ स्वर हैं और ए, ओ, ऐ, औ संयुक्त–दीर्घ स्वर। परन्तु कुँड़ुख़ तोलोंग सिकि में इ, ए, उ, ओ, अ, आ को स्वतंत्र मूल एवं पूर्ण स्वर कहा गया है। वैसे वैदिक संस्कृत के आधार पर अष्टाध्यायी में कुल 132 स्वर ध्वनियाँ हैं और सभी ध्वनियों को लिखने के तरीका बतलाया गया है। व्यवहारिक दृष्टि से कुँड़ुख़ में कुल 24 मूल स्वर ध्वनियाँ हैं जिसे देवनागरी में इस तरह दिखलाया जा सकता है – इ ए उ ओ अ आ/ इः एः उः ओः अः आ /इँ एँ उँ ओं अँ आँ/ इँः एँः उँः ओंः अँः आँः इत्यादि।

4. संस्कृत–हिन्दी देवनागरी में आ, ई, ऊ दीर्घ स्वर हैं तथा ए, ओ, ऐ, औ संयुक्त–दीर्घ स्वर। दीर्घ स्वर का अर्थ दोगुना उच्चारण समय वाला तथा प्लूत स्वर का अर्थ तीन गुना उच्चारण समय वाला होता है। परन्तु कुँड़ुख़ में इ, ए, उ, ओ, अ, आ स्वर का, दिगहा स्वर ध्वनि रूप दीर्घ स्वर से अधिक तथा प्लूत स्वर से कम अर्थात मूल स्वर से ढ़ाई गुना उच्चारण समय वाला है। जैसे, कुँड़ुख़ भाषी गाँव का हिन्दी रूपांतरित नाम इस प्रकार हो गया :– भाँःड़ो – भरनो, सूःसा – सुरसा, खेःड़ा – खेर्रा, ख़ल्ख़ड़ी – करकरी, मन्दड़े – माण्डर आदि। अतएव हिन्दी के दीर्घ स्वर को दिखलाने के लिए स्वर के उपर दोगुना सूचक चिन्ह (macron) दिया गया है।

5. कुँड़ुख़ में ड़ ढ़ ख़ ञ़ अ़ व्यंजन ध्वनियाँ हैं जिसे देवनागरी में लिखने के लिए ड ढ ख ञ अ के नीचे तलविन्दु देकर चिन्हित किया गया है। कुँड़ुख़ में एक विषिष्ट ध्वनि है जिसे संस्कृत में विकारी अ या व्यंजन अ तथा अंगरेजी में glottal check ध्वनि कहा जाता है। अतएव इसे व्यंजन की श्रेणी में रखते हुए तलविन्दु से चिन्हित किया गया है।

6. संस्कृत–हिन्दी भाषा का

देवनागरी वर्णमाला में ऋ लृ ष् ष् क्ष् त्र् ज्ञ् श्र् के लिए तोलोंग सिकि वर्णमाला में अलग से ध्वनि चिन्ह नहीं हैं। अतएव इन ध्वनियों को समझने तथा इसके लिप्यन्तरण हेतु उस ध्वनि के जैसे लगने वाले ध्वनि–अक्षरों के नीचे या उपर diacritical mark देकर समझा गया है।

संस्कृत–हिन्दी के षब्दों का तोलोंग सिकि में लिप्यन्तरण इस प्रकार है :–

संस्कृत/हिन्दी षब्दों का लेखन देवनागरी लिपि में	-	संस्कृत/हिन्दी षब्दों का लिप्यन्तरण तोलोङ सिकि में
अ	-	ᱚ
आ ा	-	ᱟ
इ ि	-	ᱤ
ई ी	-	ᱤ̄
उ ु	-	ᱩ
ऊ ू	-	ᱩ̄
ए े	-	ᱮ
ऐ ै	-	ᱚᱮ
ओ ो	-	ᱳ
औ ौ	-	ᱚᱳ
अं	-	ᱚ̇
अः	-	ᱚᱹ
अँ	-	ᱚ̃
आँ	-	ᱟ̃
इँ	-	ᱤ̃
ईं	-	ᱤ̄̃
उँ	-	ᱩ̃
ऊँ	-	ᱩ̄̃
एँ	-	ᱮ̃
ऐं ै	-	ᱚᱮ̃
ओं ों	-	ᱳ̃

औं ैं	-	[illegible]
ऽ (संस्कृत)	-	। (अ़)
अइ (संस्कृत)	-	[illegible]
अउ (संस्कृत)	-	[illegible]
अय (हिन्दी)	-	[illegible]
अव (हिन्दी)	-	[illegible]
क्	-	[illegible]
ख्	-	[illegible]
ग्	-	[illegible]
घ्	-	[illegible]
ङ्	-	[illegible]
च्	-	[illegible]
छ्	-	[illegible]
ज्	-	[illegible]
झ्	-	[illegible]
ञ्	-	[illegible]
ट्	-	[illegible]
ठ्	-	[illegible]
ड्	-	[illegible]
ढ्	-	[illegible]
ण्	-	[illegible]
त्	-	[illegible]
थ्	-	[illegible]
द्	-	[illegible]
ध्	-	[illegible]
न्	-	[illegible]

प्	-	[illegible]
फ्	-	[illegible]
ब्	-	[illegible]
भ्	-	[illegible]
म्	-	[illegible]
य्	-	[illegible]
र्	-	[illegible]
ल्	-	[illegible]
व्	-	[illegible]
ष्	-	[illegible]
ष्	-	[illegible]
स्	-	[illegible]
ह्	-	[illegible]
क्ष् (क् + ष्)	-	[illegible]
त्र् (त् + र्)	-	[illegible]
ज्ञ् (ज् + ञ्)	-	[illegible]
ड़्	-	[illegible]
ढ़्	-	[illegible]
श्र	-	[illegible]
श्री	-	[illegible]
श्रे	-	[illegible]
श्रो	-	[illegible]
श्रु	-	[illegible]
श्रा	-	[illegible]
ऋ (संस्कृत)	-	[illegible]
लृ (संस्कृत)	-	[illegible]

पृ (संस्कृत)	-	[illegible]
बृ (संस्कृत)	-	[illegible]
मृ (संस्कृत)	-	[illegible]
तृ (संस्कृत)	-	[illegible]
दृ (संस्कृत)	-	[illegible]
नृ (संस्कृत)	-	[illegible]
धृ (संस्कृत)	-	[illegible]
गृ (संस्कृत)	-	[illegible]
घृ (संस्कृत)	-	[illegible]
कृ (संस्कृत)	-	[illegible]
लृ (संस्कृत)	-	[illegible]
सृ (संस्कृत)	-	[illegible]
हृ (संस्कृत)	-	[illegible]
वृ (संस्कृत)	-	[illegible]
क़ (उर्दू /अरबी)	-	[illegible]
ग़ (उर्दू /अरबी)	-	[illegible]
ज़ (उर्दू /अरबी)	-	[illegible]
फ़ (उर्दू /अरबी)	-	[illegible]
ब़ (उर्दू /अरबी)	-	[illegible]
व़ (उर्दू /अंगरेजी)	-	[illegible]
ऑ (अंगरेजी)	-	ॅI
ख़् (कुँड़ुख़)	-	[illegible]
अ़ (कुँड़ुख़)	-	I (अ़)
ञ् (कुँड़ुख़)	-	[illegible]
थ्य्	-	[illegible]

म्य्	-	[illegible]
ध्य्	-	[illegible]
द्व	-	[illegible]
त्य्	-	[illegible]
ज्य्	-	[illegible]
त्व्	-	[illegible]
ध्य्	-	[illegible]
द्व	-	[illegible]
द्य्	-	[illegible]
न्य्	-	[illegible]
फॉ0	-	[illegible]
डॉ0	-	[illegible]
प्रो0	-	[illegible]
कृतज्ञ	-	[illegible]
कृतघ्न	-	[illegible]
मन्दिर	-	[illegible]
मस्जिद	-	[illegible]
गिरजा	-	[illegible]
गुरूद्वारा	-	[illegible]
कंस	-	[illegible]
बाँस	-	[illegible]
साँस	-	[illegible]
सृजन	-	[illegible]
सृष्टि	-	[illegible]
श्रीगणेष	-	[illegible]
धौलागिरि	-	[illegible]

गौरक्षिणी	-	[illegible]
कैलाष	-	[illegible]
तैयार	-	[illegible]
मुखर्जी	-	[illegible]
चटर्जी	-	[illegible]
श्रृंगार	-	[illegible]
रेवांगन	-	[illegible]
किसान	-	[illegible]
कीमत	-	[illegible]
अरमान	-	[illegible]
आसमान	-	[illegible]
इमली	-	[illegible]
ईख	-	[illegible]
उल्लु	-	[illegible]
ऊन	-	[illegible]
एकतारा	-	[illegible]
ऐनक	-	[illegible]
ओखल	-	[illegible]
औरत	-	[illegible]
अंगना	-	[illegible]

— डॉ0 नारायण उराँव 'सैन्दा'

दिनांक — 28.02.2020